# Bühne der Natur

## Schauspiel des Lebens

Die Intervention unseres Entwurfes wurde aus der Idee heraus geboren die Freiflächen des IFAs mit denen des UFT zu verbinden und damit einen Hotspot der Vielfalt am Übergang zu schaffen. Dieser vielfältige Lebensraum fördert nicht nur die Artenvielfalt, sondern macht sie auch für die Öffentlichkeit erlebbar.
Von einer Bank aus, eröffnet sich der Blick auf eine faszinierende Bühne des Lebens – ein großes, buntes Biotop, in dem jeder Bereich einem anderen Akteur des Tierreichs gewidmet ist. Hier summen Bienen um blühende Wildblumen, dort huschen Eidechsen über sonnenbeschienene Steine, während Käfer in den schattigen Winkeln des Totholzes ihre Nischen finden.

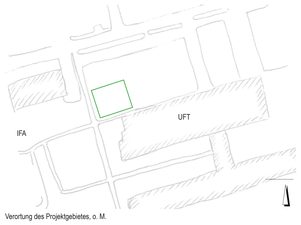


Verortung des Projektgebietes, o. M.

## Leitarten

Bildquellen: Pixabay

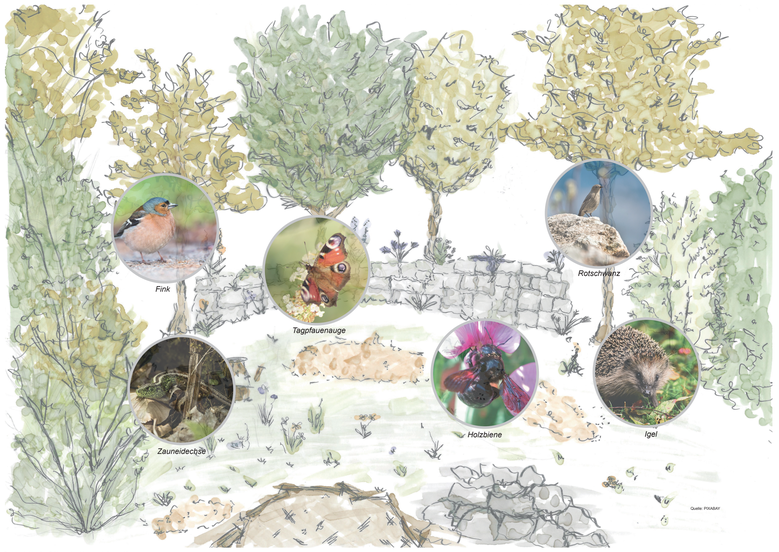


Quelle: PIXABAY

Perspektive der Bühne der Natur mit ihren Akteuren

**Indikatoren für hochwertige Lebensräume**
Leitarten sind standorttypische Tier- und Pflanzenarten des Kulturlands. Ihr Vorkommen weist auf qualitativ hochwertige und artenreiche Lebensräume hin. Sie sind attraktiv, leicht erkennbar und repräsentieren viele weitere Arten.
Die Leitpflanzen wurden gezielt ausgewählt um die Biodiversität nachhaltig zu fördern. Sie zeichnen sich durch ihre hohe Attraktivität als Nektar- und Pollenquellen für zahlreiche Bestäuber aus und bieten wertvolle ökologische Funktionen.
So ist *Prunus spinosa* nicht nur ein wichtiges Nistgehölz, sondern spielt eine zentrale Rolle für 113 nachgewiesene Schmetterlingsarten. Crataegus monogyna ist ein essenzielles Vogelnährgehölz und zugleich stark frequentiert von Blütenbesuchern.

Auch Stauden wie Achillea millefolium, Origanum vulgare, Salvia sclarea, Geranium sanguineum und Campanula rotundifolia leisten einen bedeutenden Beitrag. Sie locken Bienen, Hummeln, Schmetterlinge, Käfer, Fliegen und viele weitere Insekten an, die die Pflanzen als Nahrung und Lebensraum nutzen. Diese durchdachte Pflanzenauswahl stärkt nicht nur die Artenvielfalt, sondern schafft ein funktionierendes Netzwerk zwischen Flora und Fauna – ein zentraler Aspekt unserer Pflanzplanung.

## Artenliste mit Blühkalender

| A - Trockensteinmauer | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Botanischer Name | Deutscher Name | Breite/Höhe (cm) | I | II | III | IV | V | VI | VII | VIII | IX | X | XI | XII | Lebensbereich | Gewichtigkeit | Pflanzabstand | Stk./m2 | Stk. |
| *Alyssum montanum* | Berg-Steinkraut | 30-40/5-20 | | | | | | | | | | | | | NL FS/SF/MR/I | 1-II | 25 | 9,6 | 6 |
| *Anemone sylvestris* | Große Wald-Windröschen | 20-30/15-30 | | | | | | | | | | | | | FrI/SH/GR1-2 | II-III | 30 | 18,5 | 9 |
| *Anthemis tinctoria* | Färberkamille | 45-50/30-60 | | | | | | | | | | | | | FrI | I-II | 45 | 4,6 | 3 |
| *Aster amellus* | Berg Aster | 40-60/30-60 | | | | | | | | | | | | | SF/FrI | I-II | 40 | 7,2 | 3 |
| *Aster linosyris* | Salzmoor-Aster | 30-50/30-60 | | | | | | | | | | | | | FrI/SF/FrT | I-II | 40/60 | 7,2 | 3 |
| *Geranium sanguineum* | Blut-Storchschnabel | 20-30/20-30 | | | | | | | | | | | | | GR/FrI/SF | II-III | 30 | 12,8 | 12 |
| *Helianthemum x cultorum* | Sonnenröschen | 20-25/10-20 | | | | | | | | | | | | | SH/MR | II | 25 | 16 | 12 |
| *Origanum vulgare* | Echter Dostgartenkraut | 50-60/15-20 | | | | | | | | | | | | | FrI/SF/SH | I-II | 40 | 7,2 | 3 |
| *Petrorhagia saxifraga* | Steinbrech-Felsennelke | 30-50/15-20 | | | | | | | | | | | | | SM/MR/FrI-2 | I-II | 40 | 7,2 | 3 |
| *Sedum sexangulare* | Mitter Mauerpfeffer | 15-25/6-10 | | | | | | | | | | | | | SF/SM/I | II-III | 20 | 28,9 | 9 |
| *Stachys recta* | Stachys | 30-40/15-20 | | | | | | | | | | | | | FrI/SF/SH | II | 25 | 16 | 12 |
| *Veronica prostrata* | Niederliegender Ehrenpreis | 20-40/10-15 | | | | | | | | | | | | | SF/FrI/MR/I | II | 25 | 12 | 12 |
| Geophyten | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| *Allium flavum* | Gelber Lauch | /30-40 | | | | | | | | | | | | | SH/FrI-2 | II-III | 5 | 461,9 | 100 |
| *Allium sphaerocephalon* | Kugel-Lauch | /70-100 | | | | | | | | | | | | | FrI/SH-2 | II | 25 | 18,5 | 50 |
| *Muscari comosum* | Schopfige Traubenhyazinthe | /25 | | | | | | | | | | | | | FrI/SR1-2 | II | 5-20 | 461,9 | 50 |
| *Muscari neglectum* | Wittenberger Traubenhyazinthe | /20 | | | | | | | | | | | | | FrI/GR2 | II | 5-20 | 461,9 | 150 |
| Moosfluß | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| *Campanula rotundifolia* | Rundblättrige Glockenblume | /10-30 | | | | | | | | | | | | | FrI/SG/FrT-2 | II | 1 | 12,8 | 21 |
| *Corydalis lutea* | Gelber Lerchenspornn | /25-35 | | | | | | | | | | | | | SF/FrF/SG/FrT-2 | I-II | 35 | 9,6 | 15 |
| *Verbascum phoeniceum* | Purpur-Königskerze | 30-40/20-60 | | | | | | | | | | | | | SF/FrF/I | I | 40 | 7,2 | 4 |
| **B - Steinhaufenbeet** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| *Aster linosyris* | Goldhaar-Aster | /50-60 | | | | | | | | | | | | | SH/FrI | II | 30 | 12,8 | 3 |
| *Buglossoides purpurocaerulea* | Purpurblauer Steinsame | 30-40/25-30 | | | | | | | | | | | | | GR/GF/MR | | 35 | 8 | 3 |
| *Chamaecytisus ratisbonensis* | Regensburger Geißklee | 40-60/30-40 | | | | | | | | | | | | | SF/FrI/GR | | 80 | 3 | 0 |
| *Chamaelycsus ratisbonensis* | Regensburger Zwergklee | /40-100 | | | | | | | | | | | | | SH/FrI/GR | | 80 | 1 | 0 |
| *Inula ensifolia* | Zwerg-Alant | 25-30/30-40 | | | | | | | | | | | | | SM/SH/FrI-2 | I-II | 30 | 12,8 | 4 |
| *Linum perenne* | Staudenlein, Blauer Lein | 40-50/20-30 | | | | | | | | | | | | | FrI/SF/SH | I | 30 | 12,8 | 4 |
| *Origanum vulgare* | Gewöhnlicher Dost | 50-60/30-50 | | | | | | | | | | | | | FrI/SH/SF/SI | II | 30 | 12,8 | 5 |
| *Scabiosa ochroleuca* | Gelbe Skabiose | 30-40/60-80 | | | | | | | | | | | | | FrI/SH | II | 35 | 9,4 | 1 |
| *Sedum album* | Weißer Fetthenne, Mauerpfeffer | 10-20/10-20 | | | | | | | | | | | | | SF/FrI/MR/I | | 15/20 | 7 | 9 |
| *Sedum reprette* | Tripmadam | 20-30/20 | | | | | | | | | | | | | FrI/SH | II | 30 | 28,9 | 9 |
| *Stachys recta* | Aufrechter Ziest | /40-60 | | | | | | | | | | | | | FrI/SR1 | II | 40 | 7,2 | 1 |
| *Teucrium chamaedrys* | Echter Gamander | 20-30/30-40 | | | | | | | | | | | | | SF/FrSF/FrI-2 | II | 25 | 18,5 | 5 |
| *Thymus serpyllum* | Sand-Thymian | 20-25/5-10 | | | | | | | | | | | | | SH | | 25 | 7 | 8 |
| **C - Beetflächen** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Botanischer Name | Deutscher Name | Breite/Höhe (cm) | I | II | III | IV | V | VI | VII | VIII | IX | X | XI | XII | Lebensbereich | Gewichtigkeit | Pflanzabstand | Stk./m2 | Stk. |
| *Aster amellus* | Berg Aster | 40-60/30-60 | | | | | | | | | | | | | FrI/SF/SH | I-II | 40 | 7,2 | 3 |
| *Aster linosyris* | Goldhaar-Aster | 30-60 | | | | | | | | | | | | | SH/FrI | II | 30 | 12 | 0 |
| *Gaura lindheimeri* | Gartengeißblatt | 60 | | | | | | | | | | | | | FrI/SH | II | 40 | 7 | 0 |
| *Helictotrichon sempervirens* | Blaugrüne Lichtnelke | 50-60 | | | | | | | | | | | | | FrI/SF/SH | I-II | 40 | 7 | 0 |
| *Malva moschata* | Moschus-Malve | 50-60 | | | | | | | | | | | | | FrI/SF/I | I-II | 60 | 4 | 0 |
| *Malva sylvestris* | Wilde Malve | 50-100 | | | | | | | | | | | | | FrI-2 | I-II | 60 | 3 | 0 |
| *Salvia nemorosa* | Steppe-Salbei | 40-70 | | | | | | | | | | | | | FrI/SF/SH | I | 40 | 5 | 0 |
| *Sedum telephium* | Fetthenne | 75 | | | | | | | | | | | | | FrI/SH/SR1-2 | I | 45 | 5 | 0 |
| *Stipa capillata* | Büschel-Haargras | 30-40/20-80 | | | | | | | | | | | | | FrI/SH/SF/SI | I | 30 | 12 | 0 |
| **E - Asynzelpflanzen** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Botanischer Name | Deutscher Name | Breite/Höhe (cm) | I | II | III | IV | V | VI | VII | VIII | IX | X | XI | XII | Lebensbereich | Gewichtigkeit | Pflanzabstand | Stk./m2 | Stk. |
| *Salvia sclarea* | Muskateller Salbei | 80-100 | | | | | | | | | | | | | SF/FrI/SR1 | I | 30 | 3 | 0 |
| *Knautia arvensis* | Acker-Witwenblume | /100-120 | | | | | | | | | | | | | FrI/GR2 | I | 50 | 4 | 0 |
| *Verbascum nigrum* | Schwarze Königskerze | /100-120 | | | | | | | | | | | | | FrI/SH | I-II | 50 | 4 | 8 |
| **H - Ergänzung zur Schmetterlingsmischung - Pflanzung** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Botanischer Name | Deutscher Name | Breite/Höhe (cm) | I | II | III | IV | V | VI | VII | VIII | IX | X | XI | XII | Lebensbereich | Gewichtigkeit | Pflanzabstand | Stk./m2 | Stk. |
| *Allium sphaerocephalon* | Kugel-Lauch | /70-100 | | | | | | | | | | | | | FrI/SH-2 | II | 25 | 18 | 12 |
| *Geranium sanguineum* | Blut-Storchschnabel | 20-30/20-30 | | | | | | | | | | | | | GR/FrI/SH | II-III | 30 | 12 | 45 |
| *Origanum vulgare* | Echter Dost | 50-60/30-50 | | | | | | | | | | | | | FrI/SF/SH/SI-2 | II | 30 | 12 | 12 |
| *Reprete sidoniz* | Echte Katzenminze | /60-80 | | | | | | | | | | | | | Insect/Nect | I | 50 | 4 | 18 |
| *Origanum vulgare* | Gewöhnlicher Dost | 30-60/30-50 | | | | | | | | | | | | | FrI/SH/SF/SI | II | 30 | 12 | 12 |
| *Teucrium chamaedrys* | Echter Gamander | 20-30/30-40 | | | | | | | | | | | | | SF/FrSF/FrI-2 | I | 25 | 18,5 | 5 |
| *Thymus serpyllum* | Sand-Thymian | 20-25/5-10 | | | | | | | | | | | | | SH | II-III | 30 | 12 | 30 |
| **J - Wildsträucher** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Botanischer Name | Deutscher Name | Breite/Höhe (m) | I | II | III | IV | V | VI | VII | VIII | IX | X | XI | XII | Stück | | | | |
| *Acer campestre* | Feldahorn | 5-10/5-15 | | | | | | | | | | | | | 1 | | | | |
| *Berberis vulgaris* | Gemeine Berberitze | 2-4/2-4 | | | | | | | | | | | | | 2 | | | | |
| *Berberis vulgaris* | Gewöhnliche Berberitze | 2-4/2-4 | | | | | | | | | | | | | 1 | | | | |
| *Carpinus betulus* | Hainuche | 7-12/10-20 | | | | | | | | | | | | | 1 | | | | |
| *Cornus mas* | Kornelkirsche/Cornelbaum | 4-7/4-7 | | | | | | | | | | | | | 4 | | | | |
| *Cornus sanguinea* | Roter Hartriegel | 4-6 | | | | | | | | | | | | | 2 | | | | |
| *Corylus avellana* | Gemeine Hasel | 4-6/4-6 | | | | | | | | | | | | | 1 | | | | |
| *Crataegus monogyna* | Eingriffliger Weißdorn | 15-20/2-6 | | | | | | | | | | | | | 2 | | | | |
| *Euonymus europaeus* | Pfaffenhütchen | 2-5/2-6 | | | | | | | | | | | | | 2 | | | | |
| *Ligustrum vulgare* | Gemeiner Liguster | 3-4/2-4 | | | | | | | | | | | | | 1 | | | | |
| *Malus sylvestris* | Holzapfel | 5-7/6-10 | | | | | | | | | | | | | 1 | | | | |
| *Prunus padus* | Trauben-Kirsche | 4-6/6-10 | | | | | | | | | | | | | 1 | | | | |
| *Prunus spinosa* | Gewöhnliche Schlehe | 2-3/2-3 | | | | | | | | | | | | | 2 | | | | |
| *Sambucus nigra* | Schwarzer Holunder | 3-5/3-7 | | | | | | | | | | | | | 1 | | | | |
| *Sorbus aucuparia* | Eberesche/Vogelbeere | 4-6/6-12 | | | | | | | | | | | | | 1 | | | | |
| *Viburnum lantana* | Wolliger Schneeball | 3,5/1,5 | | | | | | | | | | | | | 4 | | | | |
| *Rosa canina* | Hunds-Rose | 3/3 | | | | | | | | | | | | | 4 | | | | |
| *Rosa multiflora* | Vielblüten-Rose | 3/3 | | | | | | | | | | | | | 4 | | | | |
| *Rosa rugosa* | Kartoffel-Rose | 1/2 | | | | | | | | | | | | | 4 | | | | |

Knautia arvensis

Geranium sanguineum 'Apfelblüte'

Salvia sclarea

Aster amellus

Verbascum nigrum

Campanula rotundifolia

Bildquellen: Staudengärtnerei Gaißmayer


BOKU
Institut für Landschaftsarchitektur

Lena Mach, Laura Reynaerts, Isabella Titz
852.324 Pflanzenverwendung, Wintersemester 2024


## Entwurfsplan

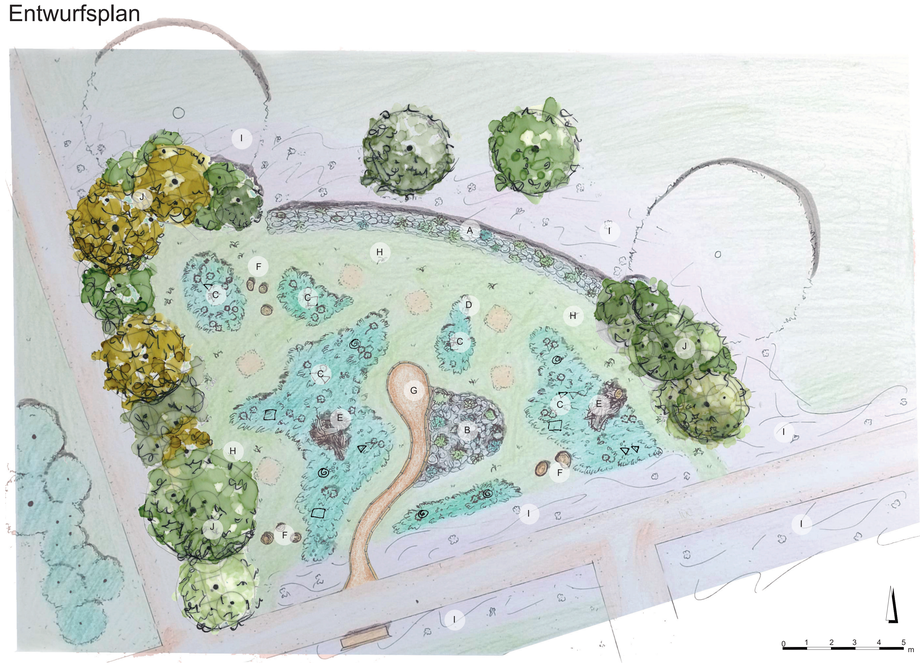


## Legende

| | | | |
|---|---|---|---|
| A | Trockensteinmauer | F | Baumstümpfe |
| B | Steinhaufenbeet | G | Hackschnitzelweg |
| C | Staudenpflanzung „Beetfläche" | H | Ansaat „Schotterrasen" ~ 142 m² |
| D | Sandarium | I | Ansaat „Blühstreifen" ~ 180 m² |
| E | Totholzhaufen | J | Wildhecke |

Die Gestaltung umfasst eine artenreiche Wildhecke mit Baum- und Gehölzpflanzungen, eine Trockensteinmauer mit Matrixpflanzung auf der Mauerkrone und verstreuter Einzelpflanzung entlang des Mauerfußes sowie ein Steinhaufenbeet als zusätzliches Strukturelement.
Entlang des Übergangs zwischen Gehölzen und Weg entstehen Ansaatflächen mit verstreuten Einzelpflanzungen an den Säumen, die sich in sechs Beeten mit wiederholender Gruppen- und Akzentpflanzung fortsetzen. Offene Vegetationsflächen auf lückigem Substrat, ergänzt durch Totholz und einen Hackschnitzelweg, runden das ökologische Gesamtkonzept ab und schaffen einen lebendigen, abwechslungsreichen Raum für Natur und Mensch.

**Pflegehinweise für den Entwurf**
Unser Entwurf lebt von seiner Dynamik, weshalb eine gezielte Pflege erforderlich ist, um das ökologische Gleichgewicht zu erhalten. Dabei sind mehrere Aspekte wichtig:
Die Sandarien müssen zu etwa 75 % frei von Bepflanzung gehalten werden, um ihre Funktion als Lebensraum zu sichern. Für die Mahd ist es entscheidend, den richtigen Zeitpunkt zu wählen und partiell in Abschnitten zu mähen, damit Tiere ausweichen können und Insekteneier nicht verloren gehen. Bei den Gehölzen sollte die natürliche Wuchsform der Sträucher bewahrt werden. Das Schnittgut wird dabei als Totholzmaterial in Totholzhaufen integriert, um weiteren Lebensraum zu schaffen. Zudem muss der Hackschnitzelweg einmal jährlich kontrolliert und gegebenenfalls aufgefüllt werden, um die Begehbarkeit zu gewährleisten.
Diese Pflegemaßnahmen sorgen für die Nachhaltigkeit des Entwurfs und fördern langfristig die Biodiversität.

**E und F Totholzbiotope**
Totholz zählt zu den lebendigsten Lebensräumen unserer Natur. Neben Insekten profitieren auch Amphibien, Reptilien, Spinnen sowie Vögel, Fledermäuse, Igel, Haselmäuse und weitere Tierarten von Totholz.

**G Hackschnitzelweg**
Der Hackschnitzelweg führt durch die natürliche Inszenierung der Landschaft und ist zugleich ein Lebensraum. Er wird in Wannenform mit 30 cm Tiefe angelegt und von Totholz, bestehend aus Ästen und Schnittgut, eingefasst. Diese Gestaltung schafft nicht nur einen funktionalen Weg, sondern auch ein Biotop für Holzkäfer und andere Totholzbewohner, die wichtige ökologische Funktionen erfüllen.

**H Ansaat „Schotterrasen"**
Intervention H ist eine artenreiche, mager gehaltene Pflanzfläche, die speziell für halbtrockene Standorte des pannonischen Klimaraums konzipiert wurde. Die Fläche überzeugt durch eine ausgewogene Saatmischung aus Gräsern, Leguminosen und Kräutern. Ergänzt wird sie durch eine gezielte Einzelpflanzung an den Säumen der sechs Beetflächen. Hier kommen Arten wie *Geranium sanguineum, Inula ensifolia* und *Origanum vulgare* zum Einsatz. Diese Kombination aus flächiger Saat und punktueller Pflanzung schafft ein harmonisches Gesamtbild, das sowohl ästhetisch ansprechend ist als auch die Biodiversität nachhaltig fördert.

**I Ansaat „Blühstreifen"**
Die angesäten Blühstreifen vernetzen die im Herbst 2024 angelegten Blühflächen des IFA Geländes mit dem UFT. Hierfür wurde eine Saatgutmischung der „Voitsauer-Blumensamen" gewählt, die mit ihren Kräutern, Leguminosen und Gräsern perfekt an die bestehende Bepflanzung anschließt. Diese Verbindung stärkt die ökologische Funktion beider Flächen und fördert durchgängige Lebensräume für Bestäuber und andere Arten.

## Trockensteinmauer (A)

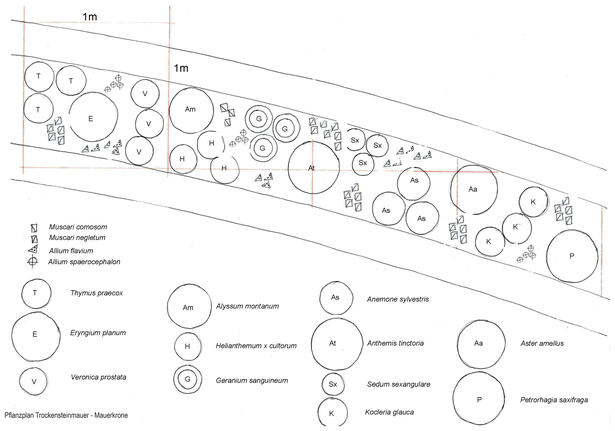


Pflanzplan Trockensteinmauer - Mauerkrone

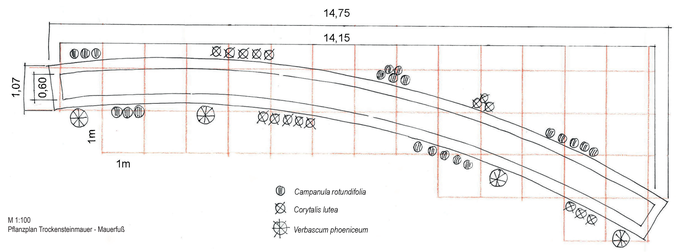


M 1:100
Pflanzplan Trockensteinmauer - Mauerfuß

Die Trockensteinmauer bietet mit ihren verschiedenen Mikrohabitaten Raum für viele Tierarten. Die Bepflanzung am Mauerfuß umfasst *Verbascum, Campanula* und *Corydalis,* während die Mauerkrone mit einer Vielfalt an Steinbeetpflanzen und Geophyten gestaltet wird. So verbindet die Mauer ästhetische Gestaltung mit ökologischer Funktionalität und schafft einen wertvollen Beitrag zur Förderung der Biodiversität.

*Corydalis lutea* wurde bewusst, obwohl sie keine einheimische Pflanze ist, in die Gestaltung integriert. Ihre Verbreitung durch Ameisen (Myrmekochorie) wird gezielt genutzt, um die Mauerfugen nachhaltig zu besiedeln und einen natürlichen Bewuchs der Trockensteinmauer zu fördern. Diese Strategie unterstützt die Biodiversität und stärkt die ökologische Funktionalität des Lebensraums.

## Gehölz- & Akzentpflanzen

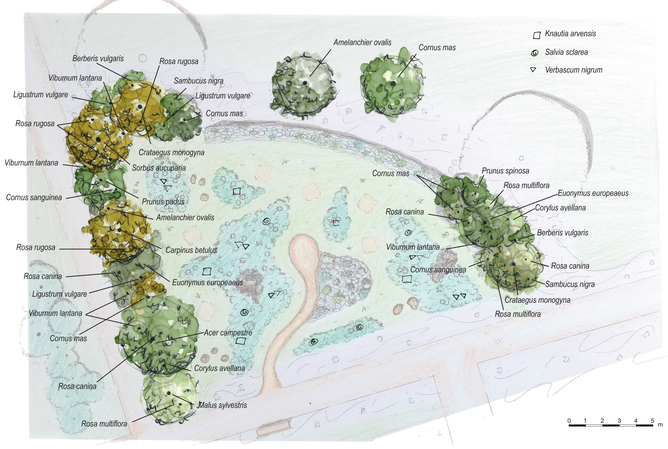


Pflanzplan - Gehölze und Akzentpflanzung

Die geplante Wildhecke aus heimischen Gehölzen wie *Prunus spinosa, Cornus mas* und *Acer campestre* verbindet die Gehölzstreifen des IFAs mit den Flächen des UFT und schafft einen grünen Korridor mit ökologischen und ästhetischen Funktionen. Sie bietet Lebensraum und Nahrung für zahlreiche Insekten, Vögel und Säugetiere. Ihre dichten Strukturen schützen Tiere, während Blüten, Früchte und Samen das ganze Jahr über Ressourcen bereitstellen.

Die Wildhecke bereichert den Raum visuell: Blüten im Frühling, üppiges Grün im Sommer, leuchtende Herbstfarben und dekorative Winterbeeren schaffen ein abwechslungsreiches Bild.
Sie verbindet Funktionalität und Schönheit, fördert die Biodiversität und macht den Jahreswechsel eindrucksvoll erlebbar.

## Steinhaufenbeet (B)

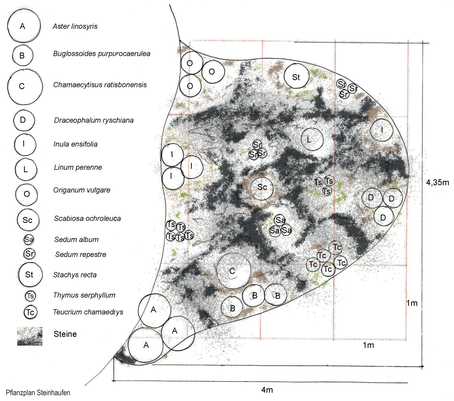


Pflanzplan Steinhaufen

Das Steinhaufenbeet bietet durch seine unterschiedlichen Höhen, Strukturen und Substrate einen idealen Lebensraum für Pflanzen und Tiere. Es verbindet vielfältige Nahrungsquellen mit geschützten Verstecken und Jagdgebieten.
Die Kombination aus rauen Oberflächen, Spalten und Mulden schafft optimale Bedingungen für wärmeliebende Pflanzen und Tiere. Gleichzeitig fördern diese Strukturen die Biodiversität, da sie verschiedene Mikrohabitate in direkter Nachbarschaft ermöglichen.
Durch die gezielte Pflanzung robuster, standortgerechter Arten wird das Steinhaufenbeet nicht nur ein ökologisches Highlight, sondern auch ein gestalterischer Blickfang.

Ansicht Steinhaufen

## Pflanzschema für 6 Beetflächen (C)

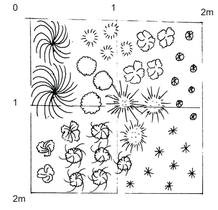


M 1:25
Pflanzschema für die Beete - Gruppenpflanzung

- *Aster amellus*, 4 Stk
- *Aster linosyris*, 8 Stk
- *Gaura lindheimeri*, 6 Stk
- *Helictotrichon sempervirens*, 2 Stk
- *Malva moschata*, 4 Stk
- *Malva sylvestris*, 3 Stk
- *Salvia nemorosa*, 7 Stk
- *Sedum telephium*, 3 Stk
- *Stipa capillata*, 3 Stk

Die Beetflächen zeichnen sich durch eine dichte und üppige Bepflanzung aus. Hier wurde das Gruppenmuster einer Gruppenpflanzung mit Wiederholung, mit Arten wie *Aster amellus, Gaura lindheimeri* und *Sedum telephium* gewählt, die für ein harmonisches Gesamtbild sorgen.

Als Akzentpflanzen kommen *Salvia sclarea, Knautia arvensis* und *Verbascum nigrum* zum Einsatz. Diese setzen gezielte gestalterische Highlights und heben sich deutlich vom Hintergrund ab. Der leichte, luftige Wuchs von *Gaura lindheimeri* und der späte Blühzeitpunkt von *Aster amellus* machen sie zu idealen Begleitern der Akzentpflanzen. Sie unterstreichen deren Wirkung, indem sie Kontraste schaffen und die Pflanzung visuell auflockern